Total Pages : 8

AB-232622

M.A. (Semester-II) Examination, June-2025

(Regular/Backlog)

HINDI

(छायावाद काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 70

निर्देश- प्रश्न-पत्र चार खण्डों में विभक्त है। सभी चार खण्ड के प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। अंकों का विभाजन प्रत्येक खण्ड में दिया गया है।

खण्ड-अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

निर्देश- निम्नलिखित में से **किन्हीं दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **1** अंक का है। [10x1=10]

1. (क) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) छायावाद की अन्तिम सीमा _____ मानी जाती है।

(ii) सुमित्रानंदन पंत को ज्ञानपीठ पुरस्कार _____ काव्य संग्रह के लिए मिला।

(iii) 'तेरा वैभव देखूँ या जीवन का क्रंदन देखूँ' के रचनाकार _____ हैं।

(iv) निराला की कविता_____ को महाकाव्यात्मक रचना की संज्ञा दी गयी।

(v) सुमित्रानंदन पंत का अन्तिम काव्य _____ है।

(ख) सही विकल्प चुनकर लिखिए-

(vi) श्रीधर पाठक को निम्न में से किसने स्वच्छन्दतावाद का प्रवर्तक माना है?

(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ब) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(स) प्रो. वासुदेव सिंह

(द) प्रो. नंदकिशोर नवल

(vii) निम्नलिखित में से कौन स्वच्छन्दतावादी कवि है?

(अ) मैथिलीशरण गुप्त

(ब) सियारामशरण गुप्त

(स). सुभद्रा कुमारी चौहान

(द) उपर्युक्त सभी

(viii) छायावाद का वास्तविक आरम्भ निम्न में से किस ग्रन्थ से माना जाता है?

(अ) अनामिका

(ब) इंदु

(स) आँसू

(द) झरना

(ix) हिन्दी साहित्य में महाप्राण शब्द किस कवि के लिए प्रयुक्त हुआ है?

(अ) सुमित्रानंदन पंत

(ब) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

(स) रामधारी सिंह दिनकर

(द) महादेवी वर्मा

(x) महादेवी वर्मा के प्रथम काव्य-संकलन का नाम है :

(अ) रश्मि

(ब) नीहार

(स) दीपशिखा

(द) यामा

(ग) सत्य/असत्य बताइये-

(xi) 'नीरजा' महादेवी वर्मा द्वारा रचित काव्य-संग्रह है।

(सत्य/असत्य)

(xii) निराला विद्रोह के कवि माने जाते हैं। (सत्य/असत्य)

खण्ड-ब

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)

निर्देश- निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंकों का है। (शब्द सीमा **25 से 30** शब्द) [5x2=10]

2. (i) 'खुल गए छंद के बंध' का अर्थ लिखिए।

(ii) 'छायावाद' शब्द का अर्थ लिखिए।

(iii) छायावादी कवि चतुष्टय का नाम लिखिए।

(iv) 'प्रकृति का मानवीकरण', को स्पष्ट कीजिए।

(v) छायावाद की वैयक्तिक

(vi) छायावादी कल्पना-विधान

खण्ड-स

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश- निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **4** अंकों का है। (शब्द सीमा **250** शब्द) [5x4=20]

(i) स्वच्छन्दतावाद को स्पष्ट कीजिए।

(ii) छायावाद 'शक्तिकाव्य' है- स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'भारतमाता' कविता का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'छायावाद व्यक्त सौन्दर्य में आध्यात्मिक छाया का भान है।' स्पष्ट कीजिए।

(v) छायावादी काव्य की सौन्दर्यानुभूति पर प्रकाश डालिए।

(vi) 'मैंने मैं शैली अपनाई' को विवेचित कीजिए।

खण्ड–द

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश– निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंकों का है। (शब्द सीमा **500** शब्द) [3x10=30]

4. (i) ‘‘‘छायावाद’ वस्तुतः कई काव्य प्रवृत्तियों का सामूहिक नाम है’’– स्पष्ट कीजिए।

(ii) ‘‘छायावाद उस राष्ट्रीय जागरण की काव्यात्मक अभिव्यक्ति है, जो एक ओर पुरानी रूढ़ियों से मुक्ति पाना चाहता था और दूसरी ओर विदेशी पराधीनता से।’’– विवेचित कीजिए।

(iii) छायावाद ‘स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है’– कथन के आलोक में छायावादी काव्य विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए।

(iv) सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर,

बैठ शिला की शीतल छाँह।

एक पुरुष, भीगे नयनों से,

देख रहा था प्रलय प्रवाह।

----x----